>

Title: Regarding death of a member of children in the country due to malnutrition.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): माननीय सभापति जी, भारत में कुपोषित बच्चों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। चाहे हम जितनी तारीफ कर लें कि हम आर्थिक विकास की गति में बहुत आगे जा रहे हैं लेकिन देश में पौष्टिक आहार की कमी है इसलिए देश में महिलाओं और बच्चों के पोषण स्तर में सुधार नहीं हो पा रहा है। इसके कई कारण हैं - एक यह है कि देश के आदिवासी इलाकों में गरीब महिलाओं व दलित परिवारों को पौष्टिक आहार नहीं मिल पाता है। आप गर्भवती महिलाओं को आंगनवाड़ी तथा दूसरी संस्थाओं से सुविधा देना चाहते हैं उससे भी पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। इससे दूसरे एरियाज़ में भी कुपोषण बढ़ रहा है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि उन एरियाज़ में, जहां इसका भयंकर रूप है, इसे रोकने का काम करें। इस बारे में बजट चर्चा में बहुत माननीय सदस्यों ने अपनी बात कही है। भारत में विश्व में सबसे ज्यादा कुपोषित बच्चे हैं। इस देश में 22 करोड़ लोग कुपोषण के शिकार हैं। यह गंभीर समस्या है। हमारे देश में अन्न और मोटे अनाज में प्रोटीन तत्व की कमी होती जा रही है, ताकत कम होती जा रही है। हम सरकार से मांग करते हैं कि ऐसे परिवारों को, जो पिछड़े इलाके में हैं, जो कमजोर वर्ग के हैं, आदिवासी इलाकों में हैं, आंगनवाड़ी तथा अन्य संस्थाएं जैसे एनजीओज़, जिनकी मदद भारत सरकार करती है, सुविधाएं मिलनी चाहिए। यह जमीनी हकीकत है चाहे आंगनवाड़ी हो, विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्वास्थ्यकत्री हों या आशा से संबध रखते हैं, जो सुविधाएं गरीब परिवारों को जानी चाहिए वह नहीं दी जा रही हैं जिससे कुपोषण बढ़ रहा है। जब हम विश्व में इतनी तेजी से डंका पीट रहे हैं कि हम आर्थिक मंदी से उबर गए हैं, हम आर्थिक मंदी में नहीं हैं, हम विश्व के आर्थिक विकास में सबसे आगे हैं, इस दशा में भारत को कुपोषण को लेकर चिंता करनी चाहिए। इसके निराकरण और गरीबों की भलाई के लिए ठोस कार्यक्रम बनाकर देश के बच्चों को बचाना चाहिए। उनका नःशुल्क इलाज करना चाहिए। ऐसी गर्भवती महिलाओं को इसकी सुविधा देनी चाहिए और ऐसे आदिवासी इलाकों को चिह्नित करना चाहिए।

महोदय, हमारे जनपद चंदौली में 100 से ज्यादा बच्चे कुपोषण के शिकार हुए और उन्हें सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। मैं मांग करता हूं कि सरकार ऐसी गंभीर समस्या पर गंभीरता से विचार करके एक कार्य योजना बनाकर इस देश को कुपोषण से बचाने का काम करें। धन्यवाद।